प्रेयक.

के०सी०भिश्र अपर सचिव, चत्तराचल शासन।

सेवा में

अधिशासी अधिकारी सम्बन्धित नगर प्रशासत, उत्तरदिल (सलग्न सूची के अनुतार)।

वित्त अनुभाग-1

वेहरादून = दिनांक : [7 जुलाई, 2004

विषय:--राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियाँ पर लिये गये निर्णय के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 में नगरपंचानतों को से धनराशि का संक्रमण (द्वितीय तिमाही हेतु)।

महोदय

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रथम राज्य वित्त आयोग, उत्तरांचल की संस्तुतियों के आधार पर राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णयानुसार प्रदेश की 31 नगरपंचायतों को सलंग्न विवरण के अनुसार चालू वितीय वर्ष 2004—05 हेतु स्त 12834000.00 (स्त एक करोड़ अठ्ठाईस लाख बौतीस ग्रजार मात्र) की धनराशि संक्रमित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- 2— उपर्युक्त धनराशि निम्नलिखित शर्तो एवं प्रतिबन्धों के अधीन संक्रमित की जा
- (1) नगर पद्मायतों को कुल देय वार्षिक धनराशि से 30 प्रतिशत अंश रोका गया है जो प्रतिदेदन के प्रस्तर 21.5 के अन्तर्गत पत्तर 22.5 व 22.6 के अनुसार राज्य स्तरीय अनुभवण समिति की संस्तुति पर अवमुक्त किया जायेगा। शेष 70 प्रतिशत अंश को 4 समान तिभारी किश्तों में अवमुक्त किया जायेगा। तद्नुसार द्वितीय किश्त अवमुक्त की जा रही हैं।
- (2) संक्रमित की जा रही धनराशि को कोषागार से आहरित करने के लिये बिल सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा प्रति हस्ताक्षरित किया जायेगा। सक्रमित की जा रही धनराशि का उपयोग केवल उसी प्रयोजन हेतु किया जाएगा जिसके लिए संक्रमित की गई है। इस धनराशि से व्यावर्तन / समायोजन अनुमन्य नहीं होगा।
- (3) नगर विकास विभाग राक्तिगत धनराशि के नियमानुसार उपयोग की समीक्षा करेंगे तथा इसके समुचित उपयोग के लिये उत्तरदायी होगे। कोषागार से आहरित धनराशि का बाउचर संख्या तथा दिनांक की सूचना महालेखासार एवं शासन के वित विभाग को भेजेंगे।
- (4) शासनादेश में वित्त विभाग हात निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभागीय अधिकारी /वित्त नियंत्रक /मुख्य/॥१००० लेखाविकारी अथवा सहायक लेखाविकारी और्री भी

रिश्चिति हो, सुनिष्टिचत करेंगे। यदि निर्धारित शर्तो में किसी प्रकार का विचलन हो तो वित्त नियंत्रक इत्यादि का दायित्व होगा कि उनके द्वारा मामले की सूचना पूर्ण विचरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दी जायेगी।

3— इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004—05 के आय—व्ययक के अनुदान संख्या—07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक —3604 स्थानीय निकार्यों तथा पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन— आयोजनेतर—01—नगरीय स्थानीय निकाय—193—नगरपंचायते/ नोटीफाइट एरिया/ कमेटी आदि—03 राज्य वित्त आयोग द्वारा संस्तुत करों से समनुदेशन—00—र्याणक अनुदान/ अशदान/राज्य सहायता के नामें झाला जायेगा।

सलग्नक:-यथोपरि।

संख्या- 544 (1)/विठअनु०-1/2004 तद्दिनांकः प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- महालेखाकार, उत्तराचल , इलाहाबाद।

2- सचिव, नगर विकास विभाग, उत्तरावल ।

3- निदेशक शहरी स्थानीय निकाय, निदेशालय, देहरादून।

4- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराधल।

निदेशक, कोषागार, वित सेवाये, वेहराद्न।

6- समस्त वरिष्ठ कोपाधिकारी / कोपाधिकारी उत्तरांचल।

7- विभागीय अविकारी/वित्त नियन्नक/मुख्य/वरिष्ठ लेखाधिकरी जैसी भी रिथति हो।

8- निजी सचिय, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल।

9- एन० आई०सी० सर्विवालय, उत्तराचल, देहरादून।

आज्ञा से,

(के0सी0मिश्र) अपर सचिव (वित्त)।

,शासनादेश संख्या:-544/वि० अनु०-1/2004 दिनांक:-) 7 जुलाई,2004 का संलग्नक

		(धनराशि हजार मैं)
क्र0 सं0	नगर पंचायत का नाम	प्रस्तावित आवटन की धनराशि
1	2	3
-	बङकोट	400
_	गंगोत्री	40
-	बद्रीनाथ	55
	केंद्रारनाथ	31
	गन्दप्रयाग	328
-	कर्णप्रयाग	458
-		656
-	कदप्रयाग	479
<u> -</u>	गोचर	431
)—	मुनिकीरेती	328
10-	क्रीतिनगर	328
11-	देवप्रयाग	431
12-	चम्बा	440
13-	डोईवाला	505
14-	हरबर्टपुर	335
15-	कालाद् भी	321
16-	भीमताल	357
17	लालकुआँ	484
18-	दिनेशपुर	422
19-	शुल्तानपुर	
20-	केलाखेडा	42!
21-	शक्तीगढ	26
22-	महुआडवरा	33
	महुआखेड्गगंज	48
23-		32
24-	द्वाराहाट	32
25	बीडीहाट	42
26-	घारचूला	65
27-	चम्पावत	38
23-	लीहाघाट	51
29-	झबरेंडा लण्डोरा	87
30-	लक्सर	99
31-	योग:-	1283

(क्र0 एक करोड़ अठ्ठाईस लाख चौतीस हजार मात्र)

(केंग्सीठ मिश्र) अपर सचिव, वित्तं। उत्तरांचल शासन।